राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Prog.) Hindi

VII Semester

Sr. No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	DSC-14	• राम काव्य परंपरा	2-3
2	DSE (रचनाकार केंद्रित अध्ययन)	• मीरा	4-5
		• घनानंद	6-7
		• सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	8-9
		• रघुवीर सहाय	10-11
		• कृष्णा सोबती	12-13
		• हरिशंकर परसाई	14-15

BA (Prog) With Hindi

Sem VII – DSC14

राम काव्य परंपरा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC14 राम काव्य परंपरा	4	3	1	—	VI सेमेस्टर उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी में राम काव्य की परंपरा का समुचित ज्ञान कराना।
- वर्तमान समय में राम कथा की राष्ट्रीय एकता में भूमिका से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी की राम काव्य परंपरा के विषय में ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- राम कथा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना और मानव मूल्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1 : राम काव्य : परंपरा और विकास (9 घंटे)

- हिंदी में राम काव्य परंपरा का विकास
- रामकथा और राष्ट्रीय भावात्मक एकता

इकाई 2 : भक्तिकालीन राम काव्य (12 घंटे)

- तुलसीदास : विनय पत्रिका (पद संख्या : 45, 156, 168) विनय पत्रिका, सं. हनुमान प्रसाद पोद्दार, नागरी प्रचारणी सभा
- केशवदास : रामचंद्रिका (छब्बीसवाँ प्रकाश - राम नाम महिमा - पद 135-142)

इकाई 3 : रीतिकालीन राम काव्य (12 घंटे)

- गुरु गोविंद सिंह : रामावतार (पद 616-622) दशम ग्रंथ-पहली सैंची, अनुवाद : डॉ. जोधसिंह, भुवन वाणी ट्रस्ट, लखनऊ-द्वितीय संस्करण-1990
- पद्माकर : राम के प्रति (पृष्ठ 211-213) {पद्माकर की काव्य साधना, अखोरी गंगाप्रसाद सिंह, साहित्य सेवा सदन, काशी, 1991 वि.}

इकाई 4 : आधुनिककालीन राम काव्य **(12 घंटे)**

- मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (चतुर्थ सर्ग - 'यदि न आज वन जाऊँ मैं' से लेकर 'बना रहे वह, यह वर दो!' तक) - साकेत, मैथिलीशरण गुप्त, साहित्य सदन, झांसी, वि. 2021
- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध : वैदेही वनवास (पद संख्या 46-53, तृतीय सर्ग), हिंदी साहित्य कुटीर, बनारस, 1996 वि.

सहायक ग्रंथ :

1. मिश्र, डॉ. भगीरथ सं. (1987), रामकथा : विविध आयाम, डॉ. रामनाथ त्रिपाठी अभिनंदन समिति और राम-शोध-संस्थान, दिल्ली।
2. बुल्के, फादर कामिल (2019), रामकथा : उत्पत्ति और विकास, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. शम्भूनाथ (1974), रामकथा और नए प्रतिमान, विश्वभारती अनुसंधान परिषद, वाराणसी।
4. महाराज, रामकुमार दास जी (1957), वेदों में रामकथा, सेठ श्री ब्रजमोहन दास जी विजय, शुजालपुर।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
मीरा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE मीरा	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को मीरा के जीवन एवं व्यक्तित्व से परिचित कराना।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में मीरा के साहित्यिक योगदान से अवगत कराना।
- मीरा के काव्य के विविध पहलुओं की विशिष्ट जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी मीरा के जीवन एवं व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में मीरा के साहित्यिक योगदान को जान पाएंगे।
- मीरा के काव्य के विविध पहलुओं की विशिष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : मीरा का जीवनवृत्त एवं समय (12 घंटे)

- मीरा का जीवन (जन्म, विवाह, परिवार, शिक्षा-दीक्षा, मृत्यु)
- मीरा का समय (सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियां)
- भक्ति आंदोलन एवं मीरा
- भारतीय भक्त कवियों में मीरा का स्थान

इकाई – 2 : मीरा का साहित्यिक व्यक्तित्व (12 घंटे)

- मीरा की रचनाएं
- प्रेम-भावना
- भक्ति-भावना (सगुण भक्ति, माधुर्य भक्ति, दांपत्य भक्ति, पाद सेवन, भजन-कीर्तन)
- विरह की अनुभूति (पूर्व-राग, मान, प्रवास)
- राजसत्ता का विरोध, स्त्री चेतना, लोक संस्कृति एवं परंपरा का चित्रण

इकाई – 3 : मीरा की काव्य-कला / अभिव्यक्ति विधान **(9 घंटे)**

- भाषा-शैली
- गीतात्मकता / लयात्मकता
- छंद विधान एवं अलंकार विधान

इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन (मीरांबाई की पदावली – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, संपादक) **(12 घंटे)**

- पद संख्या – 3, 7, 10, 18, 19, 25, 32, 34, 36, 38, 44, 46, 48, 51, 66, 74 (कुल 16 पद)

सहायक ग्रंथ :

1. चतुर्वेदी, आचार्य परशुराम (संपादक); मीरांबाई की पदावली, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. त्रिपाठी, विश्वनाथ; मीरा का काव्य, हिंदुस्तान प्रिंटर्स, दिल्ली।
3. हाड़ा, माधव; पचरंग चोला पहर सखी री (मीरां का जीवन और समाज), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. पल्लव (संपादक); मीरा : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
5. चतुर्वेदी, परशुराम; उत्तर भारत की संत परंपरा, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिन्हा, सावित्री; मध्यकालीन हिंदी कवयित्रियां, आत्माराम एण्ड संस प्रकाशन, दिल्ली।
7. लाल, डॉ. श्रीकृष्ण; मीरांबाई (जीवन, चरित और आलोचना), हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज।
8. तिवारी, डॉ. भगवानदास; मीरां की भक्ति और उनकी काव्य-साधना का अनुशीलन, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
9. श्रीवास्तव, प्रो. मुरलीधर; मीरां दर्शन, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
10. माधव, डॉ. भुनेश्वरनाथ मिश्र; मीरा की प्रेम-साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
घनानंद

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE घनानंद	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को रीतिकालीन काव्य परंपरा की जानकारी देना।
- घनानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित करना।
- घनानंद के काव्य-वैशिष्ट्य से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी रीतिकालीन काव्य परंपरा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- घनानंद के काव्य की विशिष्टाओं से परिचित होंगे।
- रीतिमुक्त काव्य परंपरा में घनानंद का महत्व समझ सकेंगे।

इकाई – 1 : रीतिकालीन काव्य और घनानंद (12 घंटे)

- रीतिकालीन काव्य पृष्ठभूमि, परिवेश एवं परिस्थितियां
- रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियां
- रीतिकालीन काव्यधारा और अन्य कवि
- स्वच्छंदतावादी काव्यधारा और घनानंद

इकाई – 2 : घनानंद : व्यक्ति और रचनाकार (9 घंटे)

- घनानंद का रचनाकार व्यक्तित्व एवं रचनाएं
- घनानंद के काव्य का आधार
- घनानंद का काव्य-वैशिष्ट्य : प्रेम और विरह की अभिव्यक्ति

इकाई – 3 : घनानंद की काव्य-कला (12 घंटे)

- घनानंद की कविता में प्रयुक्त काव्य रूप

- घनानंद की काव्य भाषा और भाषा-संबंधी प्रयोग
- घनानंद के काव्य में उपमा, रूपक, बिंब एवं प्रतीक
- रीतिमुक्त का संदर्भ : भाव एवं शिल्प

इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन **(12 घंटे)**

- घनानंद कवित्त – पद संख्या : 2, 5, 6, 7, 8, 12, 15, 24, 27, 39, 60, 71, 79, 82, 84, 90 (कुल 16 पद)

सहायक ग्रंथ :

1. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद; घनानंद कवित्त, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
2. शुक्ल, रामदेव; घनानंद का काव्य, लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली।
3. वशिष्ठ, राम; महाकवि घनानंद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
4. राय, लल्लन; घनानंद, साहित्य अकादमी प्रकाशन, दिल्ली।
5. शुक्ल, रामचंद्र; रस मीमांसा, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. गौड़, डॉ. मनोहर लाल; घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
7. लाल, किशोरी; घनानंद सुजान शतक, मधु प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. सिन्हा, डॉ. उषा; घनानंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, कीकत पब्लिकेशन, दिल्ली।

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को साहित्यकार के रूप में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की रचना-दृष्टि से परिचित कराना।
- हिंदू नवोत्थान, स्वराज की भावना और छायावाद के विकास में निराला साहित्य के साहित्यिक-सांस्कृतिक योगदान को रेखांकित करना।
- आधुनिक हिंदी साहित्य में मुक्त छंद, नवीन अलंकार-योजना, अर्थ-गांभीर्य और लालित्य-सृजन के स्वरूप की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के रचनाकर्म से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी नवजागरण, स्वराज की भावना और छायावाद के विकास में निराला के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान को रेखांकित कर सकेंगे।
- निराला साहित्य के अध्ययन के साथ-साथ तत्कालीन हिंदी गद्य साहित्य के बदलते स्वरूप और भाषा-शिल्प प्रयोगों की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : हिंदू नवोत्थान, नवजागरण, छायावादी काव्य और सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (12 घंटे)

- हिंदू नवोत्थान : पृष्ठभूमि, प्रमुख चिंतक, रचनाएं और उनके विचार
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के साहित्य निर्माण की पृष्ठभूमि और साहित्य संबंधी दृष्टिकोण
- छायावादी कविता का सौंदर्य-विधान और निराला साहित्य में उसकी अभिव्यक्ति

इकाई – 2 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की काव्य-दृष्टि (9 घंटे)

- स्वराज की जिजीविषा और निराला का काव्य
- छायावादी कविता का उत्कर्ष काल : निराला का प्रदेय
- स्वाधीनता के पश्चात निराला की साहित्य चेतना, भाषा एवं शिल्प में अभिनव प्रयोग

इकाई – 3 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': गद्य-साहित्य **(12 घंटे)**

- हिंदी की प्रमुख गद्य-विधाएं और निराला का गद्य साहित्य
- पत्रकार 'निराला' : वैचारिक और सांस्कृतिक पक्ष
- कथा साहित्य में लोक जीवन की अभिव्यक्ति, सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम
- भाषा और शिल्प-संरचना

इकाई – 4 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': पाठपरक अध्ययन **(12 घंटे)**

- **कविता :** भारत वंदना, वर दे! वीणावादिनी, अभी न होगा मेरा अंत
- **निबंध :** खड़ीबोली के कवि और कविता, साहित्य का आदर्श
- **उपन्यास :** प्रभावती (व्याख्या हेतु, परिच्छेद 1 से 12 तक)
- **कहानी :** देवी, भक्त और भगवान
- **संस्मरण :** महर्षि दयानंद सरस्वती और युगांतर

सहायक ग्रंथ :

1. नवल, नंद किशोर (संपादक); निराला रचनावली (भाग 1 से 8), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सरस्वती, स्वामी दयानंद; सत्यार्थ प्रकाश, आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली।
3. वाजपेयी, नंददुलारे; कवि निराला, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. शर्मा, रामविलास; निराला की साहित्य साधना (तीन खंड), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. दीक्षित, सूर्यप्रसाद; निराला समग्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. सिंह, दूधनाथ; निराला : आत्महंता आस्था, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
रघुवीर सहाय

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE रघुवीर सहाय	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को रचनाकार के रूप में रघुवीर सहाय के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित कराना।
- साठोत्तरी हिंदी रचनाशीलता में रघुवीर सहाय के साहित्यिक-सांस्कृतिक योगदान को रेखांकित करना।
- रघुवीर सहाय की रचनाधर्मिता और प्रयोगों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी रघुवीर सहाय के साहित्यिक योगदान से परिचित हो सकेंगे।
- साठोत्तरी हिंदी रचनाशीलता में रघुवीर सहाय के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान को समझेंगे।
- रघुवीर सहाय की रचनाधर्मिता और प्रयोगों की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : स्वातंत्र्योत्तर रचनाशीलता और रघुवीर सहाय : सामान्य परिचय **(12 घंटे)**

- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता : परिवेश एवं पृष्ठभूमि
- नयी कविता, साठोत्तरी कविता, अकविता, समकालीन कविता
- रघुवीर सहाय का रचनात्मक योगदान : पत्रकारिता, कहानी, बाल साहित्य, नाटक, समीक्षा और अनुवाद साहित्य
- रघुवीर सहाय की रचनाशीलता : सामाजिक आधार

इकाई – 2 : रघुवीर सहाय : काव्य पक्ष **(9 घंटे)**

- रघुवीर सहाय की वैचारिक पृष्ठभूमि, काव्य की अंतर्वस्तु और कविता संबंधी विचार
- रघुवीर सहाय की कविता के मुख्य सरोकार : स्त्री, जाति, राजनीति और भाषा
- रघुवीर सहाय की काव्य-भाषा एवं शिल्प

दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : रघुवीर सहाय : पत्रकारिता एवं कहानियां **(12 घंटे)**

- दिनमान और रघुवीर सहाय : रघुवीर सहाय की पत्रकारिता की प्रमुख विशेषताएं
- हिंदी पत्रकारिता की नयी शब्दावली और भाषा
- नयी कहानी आंदोलन और रघुवीर सहाय, रघुवीर सहाय की कहानियां : प्रयोग और मूल्य
- कहानियों की शिल्प-संरचना

इकाई – 4 : रघुवीर सहाय : पाठपरक अध्ययन **(12 घंटे)**

- **कविता :** स्वाधीन व्यक्ति, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, अधिनायक, हिंदी
- **कहानी :** रास्ता इधर से है, ग्यारहवीं कहानी
- **साहित्यिक लेख :** परंपरा और प्रगति, चुनौती साहित्य देता है
- **पत्रकारिता :** मध्यवर्ग – हिंसा में मनोरंजन का नया विषय

सहायक ग्रंथ :

1. शर्मा, सुरेश (संपादक); रघुवीर सहाय रचनावली (खंड 1 से 6), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. शर्मा, सुरेश; रघुवीर सहाय का कवि-कर्म, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, नामवर, कहानी नयी कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. जोशी, मनोहर श्याम, रचनाओं के बहाने एक स्मरण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. वाजपेयी, अशोक, कवि कह गया है, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नागर एवं जैदी, विष्णु एवं असद (संपादक); रघुवीर सहाय, आधार प्रकाशन, दिल्ली।
7. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. मिश्र, अच्युतानंद; तीन श्रेष्ठ कवियों का हिंदी पत्रकारिता में अवदान (अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती), राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
9. नागर, विष्णु; असहमति में उठा एक हाथ (रघुवीर सहाय की जीवनी), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
कृष्णा सोबती

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE कृष्णा सोबती	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को हिंदी कहानी लेखन की संक्षिप्त परंपरा और उसमें कृष्णा सोबती के साहित्यिक अवदान से परिचित करना।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।
- हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी स्त्री लेखन के गांभीर्य को समझेंगें।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
- हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित होंगे।

इकाई – 1 : कृष्णा सोबती का रचनाकर्म और परिवेश **(9 घंटे)**

- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी की विकास यात्रा
- हिंदी में स्त्री लेखन की परंपरा और कृष्णा सोबती का स्थान
- कृष्णा सोबती का रचनाकार जीवन और परिवेश

इकाई – 2 : कृष्णा सोबती का कथा साहित्य : पाठपरक अध्ययन **(12 घंटे)**

- मित्रो मरजानी (व्याख्येय अंश, प्रथम 50 पृष्ठ)
- ऐ लड़की (व्याख्येय अंश, प्रथम 50 पृष्ठ)
- सिक्का बदल गया
- दादी-अम्मा

इकाई – 3 : कृष्णा सोबती का कथेतर साहित्य : पाठपरक अध्ययन **(12 घंटे)**

- **निबंध :** भारतीय संस्कृति और बदलते मूल्य (हम हशमत, भाग 4)
- **यात्रावृत्तांत :** बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख' (व्याख्येय अंश, पृष्ठ संख्या 5 से 26)
- **संस्मरण :** जयदेव (शब्दों के आलोक में)
- **आत्मकथात्मक अंश :** मैं, मेरा समय और मेरा रचना संसार (सोबती : एक सोहबत)

इकाई – 4 : आलोचनात्मक दृष्टि **(12 घंटे)**

- नई कहानी आंदोलन में कृष्णा सोबती का योगदान
- स्त्री विमर्श और कृष्णा सोबती का कथा-संसार
- कृष्णा सोबती के साहित्य में विभाजन की त्रासदी और मानवीय संबंधों का चित्रण
- कृष्णा सोबती की भाषा-शैली (कहानी, उपन्यास और अन्य गद्य विधाओं के संदर्भ में)

सहायक ग्रंथ :

1. सोबती, कृष्णा; मित्रो मरजानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सोबती, कृष्णा; बादलों के घेरे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. सोबती, कृष्णा; बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. सोबती, कृष्णा; ऐ लड़की, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. सोबती, कृष्णा; हम हशमत (भाग 4), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. सोबती, कृष्णा; शब्दों के आलोक में, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. सोबती, कृष्णा; सोबती : एक सोहबत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. माधव, नीरजा; हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास (1857-1947), सामयिक बुक्स, दिल्ली।
9. सिंह, नामवर, कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
10. राठी, गिरधर; दूसरा जीवन : कृष्णा सोबती की जीवनी, सेतु प्रकाशन, दिल्ली।
11. सिंह, सुधा, ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
12. Paul & Sethi, Sukrita & Rekha (Editor); Krishna Sobti: A Counter Archive, Routledge India.
13. वर्मा, कंचन; साझी संस्कृति, देश-विभाजन और कृष्णा सोबती का रचना संसार, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
14. सिंह, सुधा / चतुर्वेदी, जगदीश्वर (संपादक); हिंदी साहित्येतिहास का वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य, स्त्री-अस्मिता और साहित्य, हंस प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
हरिशंकर परसाई

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE हरिशंकर परसाई	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचनाओं से परिचित कराना।
- विधा के रूप में व्यंग्य के महत्व को समझाना।
- व्यंग्यकार के रूप में हरिशंकर परसाई के योगदान से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में व्यंग्यात्मक साहित्य के सामाजिक राजनीतिक अध्ययन की समझ विकसित होगी।
- साहित्य और समाज के पारस्परिक संबंधों की पहचान होगी।
- हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचनाओं का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

इकाई – 1 : हरिशंकर परसाई और व्यंग्य साहित्य **(12 घंटे)**

- व्यंग्य का अर्थ एवं परिभाषा
- हास्य और व्यंग्य में अंतर
- हिंदी व्यंग्य की परंपरा और हरिशंकर परसाई का स्थान
- प्रमुख हिंदी व्यंग्यकार : श्रीलाल शुक्ल, शरद जोशी, सूर्यबाला

इकाई – 2 : हरिशंकर परसाई का रचनात्मक वैशिष्ट्य **(9 घंटे)**

- हरिशंकर परसाई : व्यक्ति और रचना-कर्म
- हरिशंकर परसाई के व्यंग्य लेखन की विशेषताएं : कथ्य और शिल्प
- हरिशंकर परसाई का कॉलम लेखन : 'कल्पना' से 'देशबंधु' तक

इकाई – 3 : व्यंग्य निबंधकार के रूप में हरिशंकर परसाई : पाठपरक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- **निबंध :** कर कमल हो गए, ठिठुरता हुआ गणतंत्र, अकाल-उत्सव, विकलांग श्रद्धा का दौर, बेईमानी की परत (प्रतिनिधि व्यंग्य : हरिशंकर परसाई)

इकाई – 4 : कथाकार के रूप में हरिशंकर परसाई : पाठपरक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- **कहानी :** सुदामा के चावल
- **उपन्यास :** रानी नागफनी की कहानी (व्याख्या हेतु प्रथम 50 पृष्ठ)

सहायक ग्रंथ :

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हरिशंकर परसाई देश के इस दौर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, विजय (संपादक); कथा शिखर हरिशंकर परसाई, कौटिल्य बुक्स, दिल्ली।
3. प्रसाद, कमला (संपादक); आँखन देखी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. त्रिपाठी, सेवाराम; हरिशंकर परसाई : पुनर्पाठ और पुनर्विचार, न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, दिल्ली।
5. प्रकाश, स्वयं; हमसफ़रनामा, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद।
6. परसाई, हरिशंकर; पूछो परसाई से, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. पल्लव (संपादक); शताब्दी स्मरण : हरिशंकर परसाई विशेषांक, बनास जन, अंक 62, 2023, दिल्ली।
8. परसाई, हरिशंकर; प्रतिनिधि व्यंग्य, राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Prog.) Hindi
VIII Semester

Sr. No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	DSC-15	• हिंदी निबंध	2-3
2	DSE (रचना केंद्रित अध्ययन)	• रंगभूमि	4-5
		• शृंखला की कड़ियां	6-7
		• दोहरा अभिशाप	8-9
		• एक दुनिया : समानांतर	10-11
		• परंपरा का मूल्यांकन	12-13

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
BA (Prog) With Hindi
Sem VIII – DSC15
हिंदी निबंध

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC15 हिंदी निबंध	4	3	1	—	VII सेमेस्टर उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- निबंध के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
- निबंध की सर्वांगीण समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी निबंध के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी निबंध की शैलियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1 : हिंदी निबंध : स्वरूप और विकास (9 घंटे)

- निबंध की परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी निबंध का संक्षिप्त इतिहास

इकाई 2 : हिंदी निबंध पाठ 1 (12 घंटे)

- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य
- अध्यापक पूर्ण सिंह : आचरण की सभ्यता

इकाई 3 : हिंदी निबंध पाठ 2 (12 घंटे)

- हजारी प्रसाद द्विवेदी : देवदारु
- विद्यानिवास मिश्र : मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

इकाई 4 : हिंदी निबंध पाठ 3 (12 घंटे)

- वासुदेव शरण अग्रवाल – संस्कृति का स्वरूप
- नर्मदा प्रसाद उपाध्याय – कुंभ : मनुष्यता की अमर यात्रा का संकल्प पर्व

सहायक ग्रंथ :

1. माचवे, प्रभाकर; हिंदी निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. जिज्ञासु, मोहनलाल; हिंदी गद्य का विकास, मेहरचंद लक्ष्मणदास, दिल्ली।
3. भारद्वाज, विदुषी; हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राधा पब्लिकेशन।
4. मिश्र, विभुराम; ज्योतिश्वर मिश्र, प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
रंगभूमि

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रंगभूमि	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास की परंपरा से परिचय करवाना।
- प्रेमचंद के व्यक्तित्व, विचार एवं रचना-संसार से परिचय करवाना।
- उपन्यास के तत्वों का ज्ञान और उनके आधार पर विशिष्ट कृति का अध्ययन करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य में प्रेमचंद के शब्द और कर्म से परिचित हो सकेंगे।
- यथार्थवाद, आदर्शवाद, गांधीवाद, सत्याग्रह जैसे पदों से परिचित हो सकेंगे।
- रंगभूमि के संदर्भ में उपन्यास के विभिन्न तत्वों की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : रचनाकार एवं युग परिचय **(9 घंटे)**

- प्रेमचंद : शब्द और कर्म (कथाकार, संपादक, विचारक)
- युगीन परिस्थितियां
- हिंदी उपन्यास की परंपरा और प्रेमचंद के उपन्यासों के विषय : एक परिचय

इकाई – 2 : अंतर्वस्तु का विन्यास **(12 घंटे)**

- कथानक
- केंद्रीय समस्या
- पात्र-योजना
- दृष्टिबाधित समाज : सामाजिक समायोजन की समस्याएं

इकाई – 3 : कृति का पाठ

- युगीन संदर्भ (स्वाधीनता आंदोलन, गांधीवाद, सत्याग्रह, अहिंसा)
- सूरदास पर गांधी की छाया
- औपनिवेशिक सत्ता संरचना, भूमि अधिग्रहण, विकास का मॉडल
- आदर्शोन्मुख यथार्थवाद

इकाई – 4 : रंगभूमि : कथा-कौशल **(12 घंटे)**

- औपन्यासिक शिल्प
- भाषा, बिंब, प्रतीक, दृश्यात्मकता
- संवाद-योजना
- रंगभूमि की महाकाव्यात्मकता

सहायक ग्रंथ :

1. देवी, शिवरानी; प्रेमचंद घर में, रोशनाई प्रकाशन, कोलकाता।
2. राय, अमृत; प्रेमचंद : कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, दिल्ली।
3. गोपाल, मदन; कलम का मजदूर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. मिश्र, रामदरस; हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. तलवार, वीर भारत; किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. आचार्य, नंदकिशोर (संपादक); प्रेमचंद का चिंतन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
8. गिरि, राजीव रंजन; अथ : साहित्य पाठ और प्रसंग, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली।

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
शृंखला की कड़ियां

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE शृंखला की कड़ियां	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को महादेवी वर्मा के निबंध साहित्य में स्त्री-संबंधी विचारों से अवगत कराना।
- स्त्री-विमर्श के क्षेत्र में 'शृंखला की कड़ियां' के वैचारिक अवदान से परिचित कराना।
- महादेवी वर्मा की दृष्टि से स्त्री की समाज में स्थिति और विविध समस्याओं से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी महादेवी वर्मा की दृष्टि से स्त्री की समाज में दशा और दिशा से परिचित होंगे।
- विचारात्मक निबंध विधा की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
- स्त्री-प्रश्न पर सामूहिक विमर्श की पूर्व-पीठिका के रूप में 'शृंखला की कड़ियां' के महत्व को समझ सकेंगे।

इकाई – 1 : महादेवी वर्मा की रचनात्मकता और उनका समय **(9 घंटे)**

- छायावाद की पृष्ठभूमि और महादेवी वर्मा का लेखन
- हिंदी नवजागरण और स्त्री प्रश्न
- संपादक महादेवी : विचार और वैशिष्ट्य

इकाई – 2 : शृंखला की कड़ियां : वैचारिक और शिल्पगत अध्ययन **(12 घंटे)**

- शृंखला की कड़ियां : संवेदना और यथार्थ
- शृंखला की कड़ियां और स्त्री विमर्श
- भारतीय सामाजिक-आर्थिक संरचना और शृंखला की कड़ियां
- शृंखला की कड़ियां : भाषा और शिल्प संरचना

इकाई – 3 : शृंखला की कड़ियां : पाठपरक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- समाज और व्यक्ति
- नारीत्व का अभिशाप
- घर और बाहर
- हमारी समस्याएं

इकाई – 4 : शृंखला की कड़ियां : पाठपरक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- हमारी शृंखला की कड़ियां
- युद्ध और नारी
- आधुनिक नारी
- स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न

सहायक ग्रंथ :

1. अनामिका; स्त्री विमर्श का लोकपक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. कुमार, राधा; स्त्री संघर्ष का इतिहास, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
3. शर्मा, क्षमा; स्त्रीत्व-विमर्श : समाज और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, प्रो. सुधा; स्त्री संदर्भ में महादेवी, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
5. पालीवाल, कृष्णदत्त; नवजागरण और महादेवी के रचनाकर्म में स्त्री विमर्श के स्वर, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, दूधनाथ; महादेवी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. जोशी, गोपा; भारत में स्त्री असमानता : एक विमर्श, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
8. अग्रवाल, रोहिणी; स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. गिरि, राजीव रंजन (संपादक); स्त्री मुक्ति : यथार्थ और यूटोपिया, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली।

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
दोहरा अभिशाप

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE दोहरा अभिशाप	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को आत्मकथा विधा की जानकारी प्रदान करना।
- समाज के अध्ययन के लिए आत्मकथा के महत्व को रेखांकित करना।
- 'दोहरा अभिशाप' की पाठगत विशिष्टताओं का अध्ययन कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी आत्मकथा की विधागत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- साहित्य अध्ययन में आत्मकथा के महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- 'दोहरा अभिशाप' पाठ के विभिन्न पक्षों की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : आत्मकथा का परिचय, इतिहास और विकास **(9 घंटे)**

- आत्मकथा विधा, अस्मितामूलक साहित्य और कौशल्या बैसंत्री
- आत्मकथा परंपरा और विकास
- दलित स्त्रीवाद के संदर्भ में 'दोहरा अभिशाप'
- आत्मकथा के इतिहास में 'दोहरा अभिशाप'

इकाई – 2 : दोहरा अभिशाप : पाठपरक अध्ययन **(12 घंटे)**

- दलित समाज का ऐतिहासिक संघर्ष
- भारतीय सामाजिक संरचना : दलित समाज, जातिवाद और पितृसत्ता
- दोहरा अभिशाप : दलित स्त्री की संघर्षशीलता
- स्त्री आत्मकथा लेखन की विशेषताएं

दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : दोहरा अभिशाप : समाजपरक अध्ययन

- दलित समाज में मध्यवर्ग का उदय
- दलित स्त्रीवाद का उदय
- दोहरा अभिशाप में चित्रित समय और समाज
- संस्कृतिकरण की जटिलताएं और दलित समाज

इकाई – 4 : दोहरा अभिशाप : कौशल्या बैसंत्री के आत्मकथा लेखन का वैशिष्ट्य (12 घंटे)

- नए दृश्य बिंब और कहन की भंगिमा
- दलित स्त्री आत्मकथा की भाषा
- रचना शिल्प (आत्मकथा या समाजकथा)
- आत्मकथा मूल्यांकन की समस्याएं और 'दोहरा अभिशाप'

सहायक ग्रंथ :

1. मीणा, उमा; आत्मकथा साहित्य : स्मृतियों का प्रत्याख्यान, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
2. चंद्र, सुरेश (संपादक); हिंदी दलित-आत्मकथा साहित्य का मूल्यांकन (खंड 1), अमन प्रकाशन, कानपुर।
3. नैमिशराय, मोहनदास (संपादक); एक सौ दलित आत्मकथाएं : इतिहास एवं विश्लेषण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, तेज (संपादक); अंबेडकरवादी स्त्री-चिंतन (सामाजिक शोषण के खिलाफ आत्मवृत्तात्मक संघर्ष), स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिंह, डॉ. रामगोपाल; सामाजिक न्याय एवं दलित संघर्ष, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. तिलक, रजनी (संपादक); समकालीन भारतीय दलित महिला लेखन, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. भारती, अनीता; समकालीन नारीवाद और दलित स्त्री का प्रतिरोध, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. राम, नरेश राम; दलित स्त्रीवाद की आत्मकथात्मक अभिव्यक्ति, नई किताब प्रकाशन, दिल्ली।

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
एक दुनिया : समानांतर

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE एक दुनिया : समानांतर	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को नई कहानी आंदोलन से परिचित करवाना।
- आजादी के बाद की कहानियों में अभिव्यक्त नए यथार्थ से अवगत करवाना।
- राजेंद्र यादव के साहित्यिक दृष्टिकोण से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी नई कहानी आंदोलन से परिचित हो सकेंगे।
- आजादी के बाद की बदली हुई सामाजिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे।
- नई कहानी त्रयी में राजेंद्र यादव की भूमिका को समझ सकेंगे।

इकाई – 1 : नई कहानी का उदय **(9 घंटे)**

- नई कहानी आंदोलन की पृष्ठभूमि
- नई कहानी का स्वरूप और विकास
- नई कहानी त्रयी में राजेंद्र यादव की भूमिका और दृष्टिकोण

इकाई – 2 : 'एक दुनिया : समानांतर' में चयन की प्रासंगिकता **(12 घंटे)**

- यथार्थ की अभिव्यक्ति
- विषय वैविध्य, कथ्य परिवर्तन एवं उपयोगिता
- विडंबना और व्यंग्य
- भाषा और शिल्प की विशिष्टता

- जिंदगी और जोंक – अमरकांत
- खोई हुई दिशाएं – कमलेश्वर
- परिंदे – निर्मल वर्मा
- तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफ़ाम – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- यही सच है – मन्नू भंडारी
- टूटना – राजेंद्र यादव
- प्रेत मुक्ति – शैलेश मटियानी
- एक और जिंदगी – मोहन राकेश

सहायक ग्रंथ :

1. यादव, राजेंद्र; एक दुनिया समानांतर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिंह, नामवर; कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. कमलेश्वर, नई कहानी की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. यादव, राजेंद्र; कहानी : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. त्रिपाठी, छविनाथ; कहानी कला और उसका विकास, साहित्य सदन, देहरादून।
7. मार्कण्डेय; कहानी की बात, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. अवस्थी, देवीशंकर; नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
परंपरा का मूल्यांकन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE परंपरा का मूल्यांकन	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि एवं इतिहास-बोध से परिचित कराना।
- हिंदी सहित देश की हजारों वर्षों की साहित्यिक विरासत एवं मान्यताओं का अध्ययन कराना।
- संस्कृत साहित्य से लेकर खड़ीबोली हिंदी के साहित्य तक एक संपूर्ण इतिहास-दृष्टि के साथ-साथ परंपरा और साहित्य के अंतर्संबंधों का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि एवं इतिहास-बोध से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी सहित देश की अन्य साहित्यिक विरासत एवं मान्यताओं का ज्ञान होगा।
- संस्कृत साहित्य से लेकर खड़ीबोली हिंदी के साहित्य तक एक संपूर्ण इतिहास-दृष्टि, परंपरा और साहित्य के अंतर्संबंधों का बोध होगा।

इकाई – 1 : रामविलास शर्मा का रचनाकर्म **(9 घंटे)**

- रामविलास शर्मा के आलोचनात्मक प्रतिमान : लोकजागरण, नवजागरण, हिंदी जाति
- रामविलास शर्मा की परंपरा संबंधी अवधारणा
- रामविलास शर्मा की इतिहास-दृष्टि

इकाई – 2 : भारतीय परंपरा, हिंदी भाषा और साहित्य **(12 घंटे)**

- रामविलास शर्मा का 'भाषा', 'समाज' और 'संस्कृति' संबंधी चिंतन
- भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य
- रीतिकाल की अवधारणा

दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-7

- आधुनिकता की अवधारणा

इकाई – 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- परंपरा का मूल्यांकन
- हिंदी जाति के सांस्कृतिक इतिहास की रूपरेखा
- संत-साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
- तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य

इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- रीतिकालीन काव्य-परंपरा
- भारतेंदु हरिश्चंद्र
- प्रेमचंद
- साहित्य में लोकजीवन की प्रतिष्ठा और जयशंकर प्रसाद

सहायक ग्रंथ :

1. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. त्रिपाठी एवं प्रकाश, विश्वनाथ एवं अरुण (संपादक); हिंदी के प्रहरी : डॉ. रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह एवं त्रिपाठी, विजय बहादुर एवं राधा वल्लभ (संपादक); संस्कृति के प्रश्न और रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. शिशिर, कर्मेंदु; डॉ. रामविलास शर्मा : नवजागरण एवं इतिहास लेखन, विभा प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. शंभुनाथ; राष्ट्रीय पुनर्जागरण और रामविलास शर्मा, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, प्रो. सुधा; आधुनिक साहित्य और रामविलास शर्मा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; रामविलास शर्मा : परवर्ती पूंजीवाद और साहित्येतिहास की समस्याएं, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
8. वसुधा (पत्रिका), अंक – 51 (रामविलास शर्मा पर केंद्रित)